KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

इतिहास

भाग - 2

# भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 5

## यात्रियों के नजरिए

भाग - 5

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए



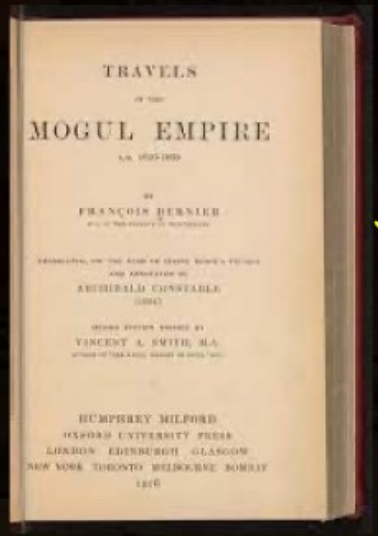


बर्नियर तथा अपविकसित पूर्व :-

- बर्नियर की पुस्तक/यात्रा वृत्तान्त : "ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर"
- बर्नियर व इब्न बतूता के वर्णन में मूलभूत अन्तर है।
- इब्न बतूता ने अपने वर्णन में हर उस चीज को शामिल किया है जो अनूठेपन के कारण उसे प्रभावित करती है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q बर्नियर और इब्नबतूता के यात्रा वृतान्त मे क्या मूलभूत अन्तर है?

Q. बर्नियर भारत के अपने आलोचनात्मक दृष्टिकोण से क्या बताना चाहता था?

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

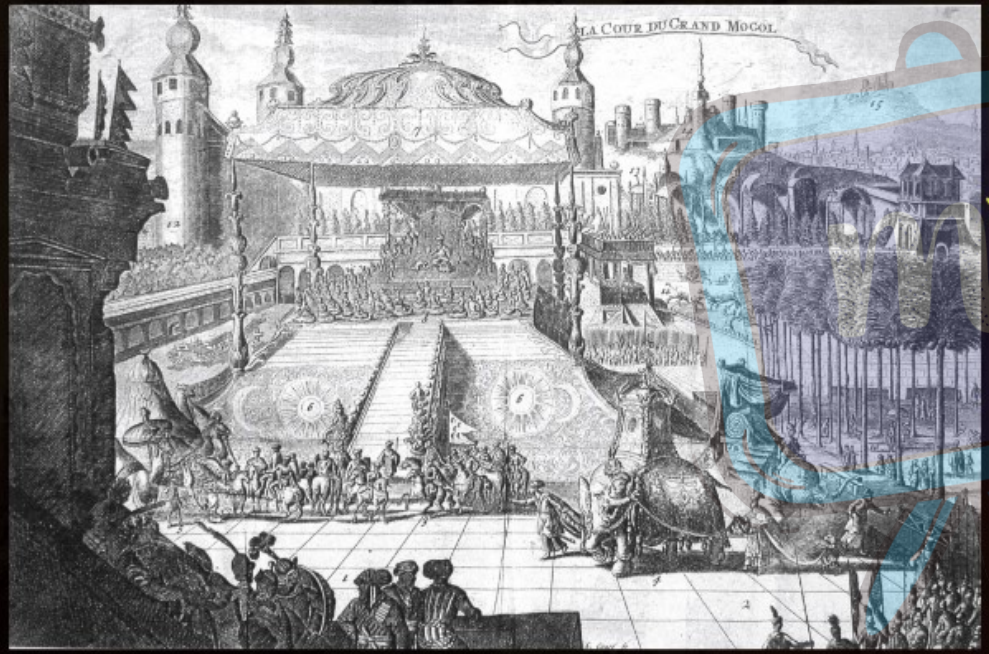


- बर्नियर ने भारत में जो देखा उसकी तुलना यूरोप से तथा विशेष रूप से फ्रांस से करता था तथा भिन्नता को उजागर करने में अधिक रूचि रखता था।
- उसका विचार नीति-निर्माताओं तथा बुद्धिजीवियों को प्रभावित करने का था जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे ऐसे निर्णय ले जिन्हें वह "सही" मानता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

## विषय वस्तु ?

- बर्नियर द्वारा लिखित ग्रन्थ "ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर" अपने गहन प्रेक्षण, आलोचनात्मक अंतदृष्टि तथा गहन चिन्तन के लिए उल्लेखनीय है।
- पुस्तक में निरन्तर मुगलकालीन भारत की तुलना यूरोप से की जाती रही है।
- तथा यूरोप को श्रेष्ठ दिखाने का प्रयास किया गया है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

- बर्नियर के वर्णन में भारत को यूरोप के "प्रतिलोम" के रूप में दिखाया गया है या फिर यूरोप का 'विपरीत' जैसा।
- उसका सम्पूर्ण वर्णन इस प्रकार का है कि पश्चिमी दुनिया को भारत निम्न कोटि का प्रतीत होता है ।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

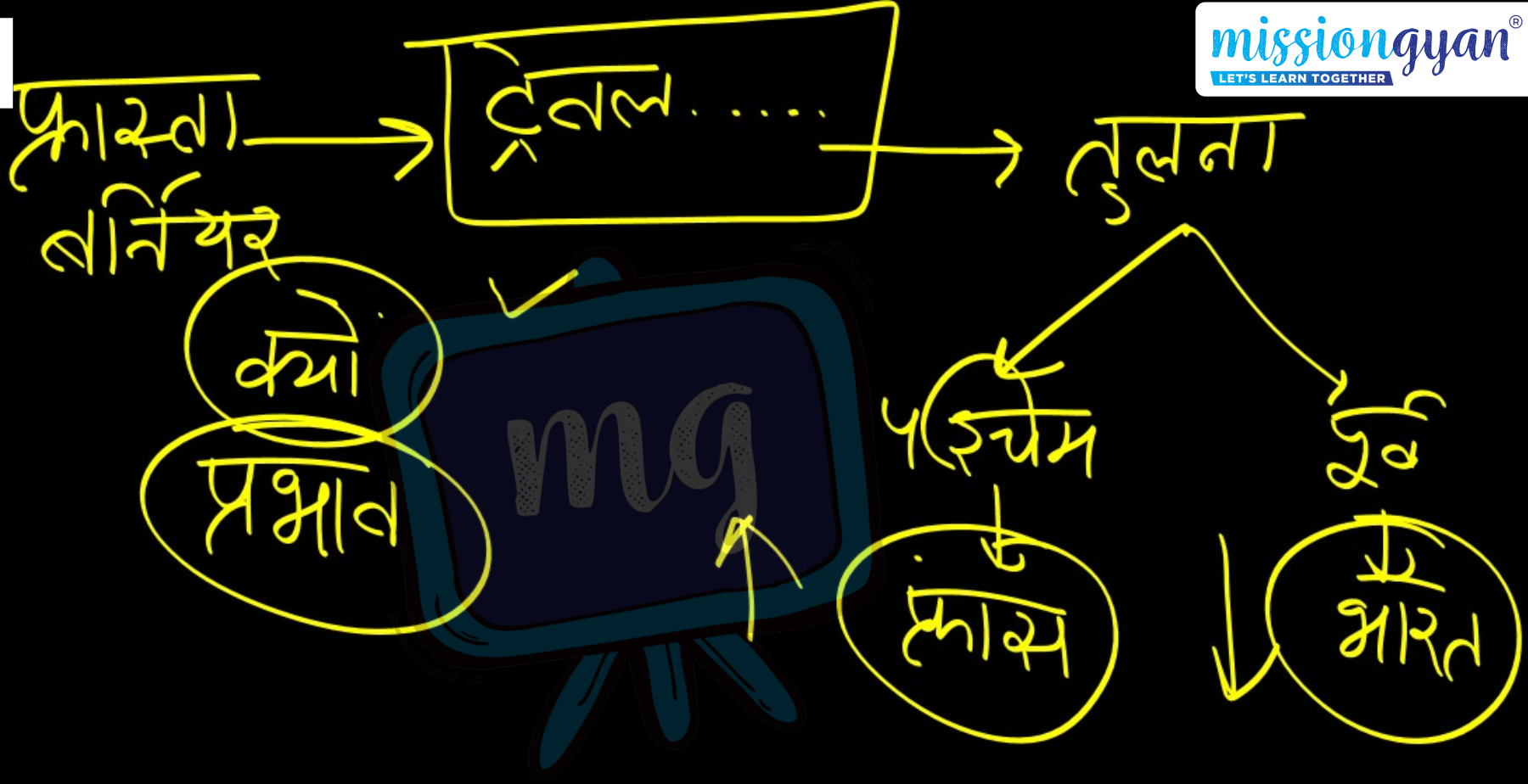

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

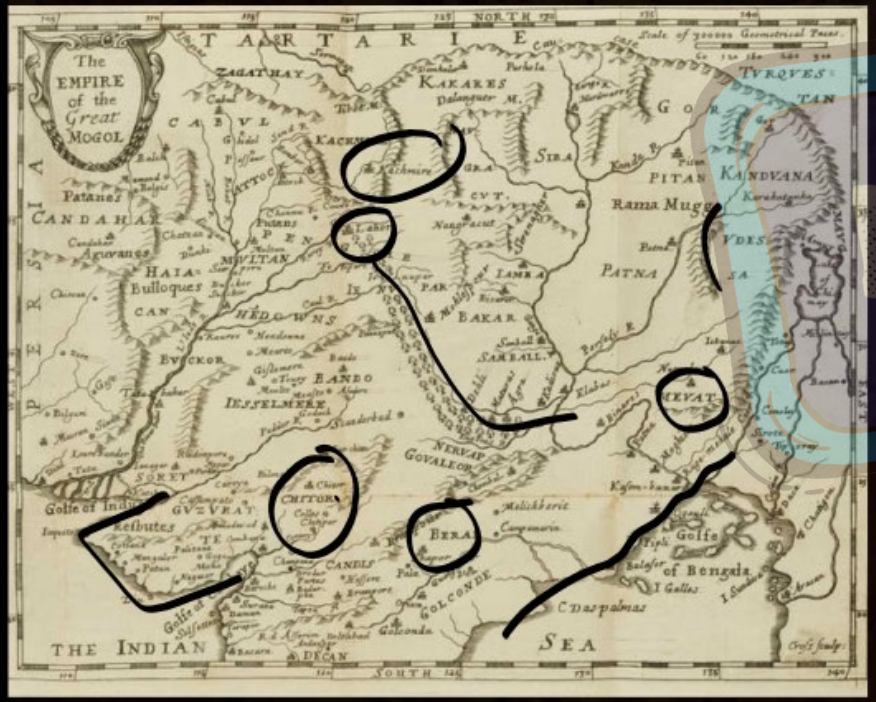


## भूमि स्वामित्व का प्रश्न :-

- बर्नियर के अनुसार भारत व यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं में से एक भारत में निजी भू-स्वामित्व का अभाव था।
- उसका निजी स्वामित्व के गुणों में दृढ़ विश्वास था।
- वह भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य व निवासियों दोनों के लिए हानिकारक मानता था।
- उसके अनुसार मुगल साम्राज्य में सम्राट सारी भूमि का स्वामी था जिसे वह अमीरों को बांटता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

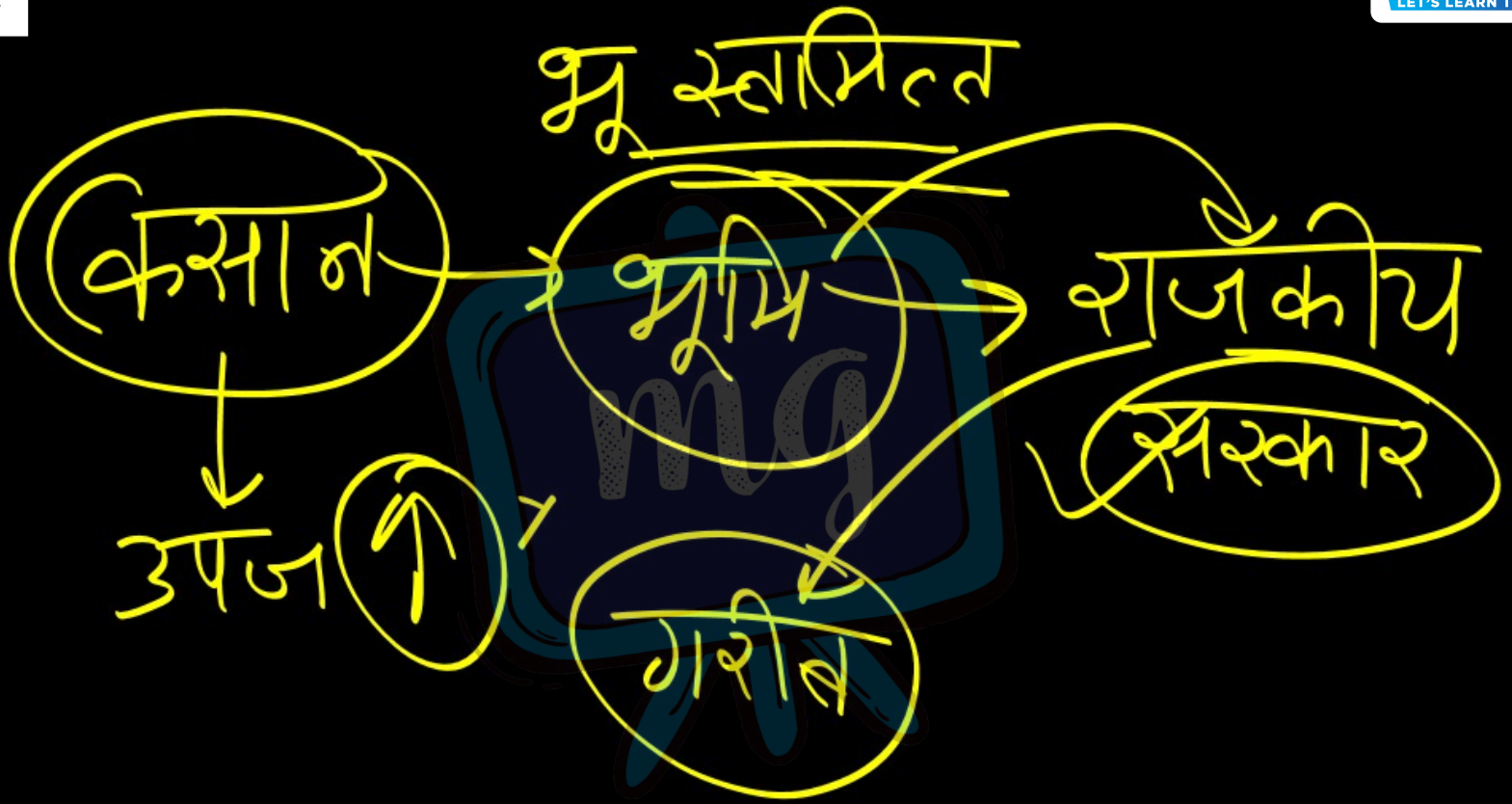

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

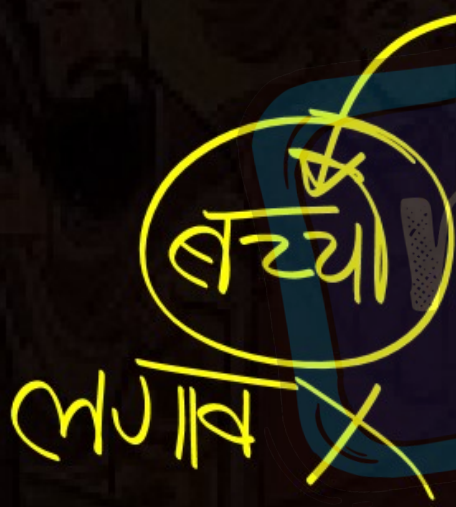

- इससे अर्थव्यवस्था और समाज के लिए अनर्थकारी परिणाम होते थे।
- बर्नियर के अनुसार राजकीय भू-स्वामित्व के कारण भूधारक अपने बच्चों को भूमि नहीं दे सकते थे।
- इसी कारण उत्पादन स्तर को बनाये रखने व बढ़ोत्तरी के प्रति उदासीन रहते थे।
- भूमि के रख-रखाव व बेहतरी का प्रयास नहीं हो पाया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

- इस प्रकार निजी भूस्वामित्व के अभाव ने बेहतर भूधारकों के वर्ग के उदय को रोका जो भूमि के रखरखाव व बेहतरी के प्रति सजग रहते।
- इसी के चलते कृषि का समान रूप से विनाश होता गया।
- किसानों का असीम उत्पीड़न।
- समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में लगातार पतन की स्थिति उत्पन्न हुई सिवाय शासक वर्ग के।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

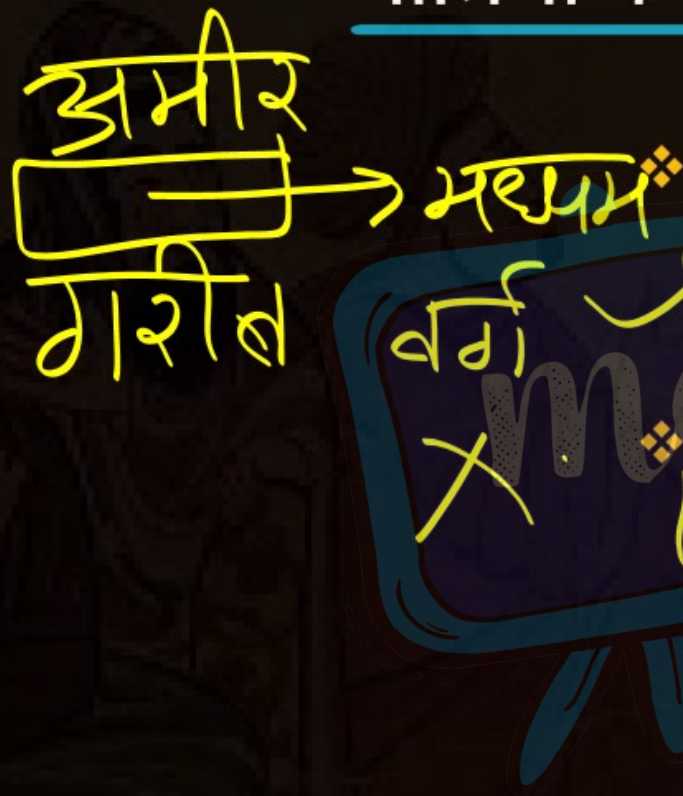

- इसी के वर्णन में बर्नियर भारतीय समाज को दरिद्र लोगों के समरूप जनसमूह के रूप में वर्णित करता है।
- बर्नियर का विश्वास था कि भारत में बहुत अमीर व गरीबों (दरिद्रों) के मध्य की स्थिति के लोग नहीं थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

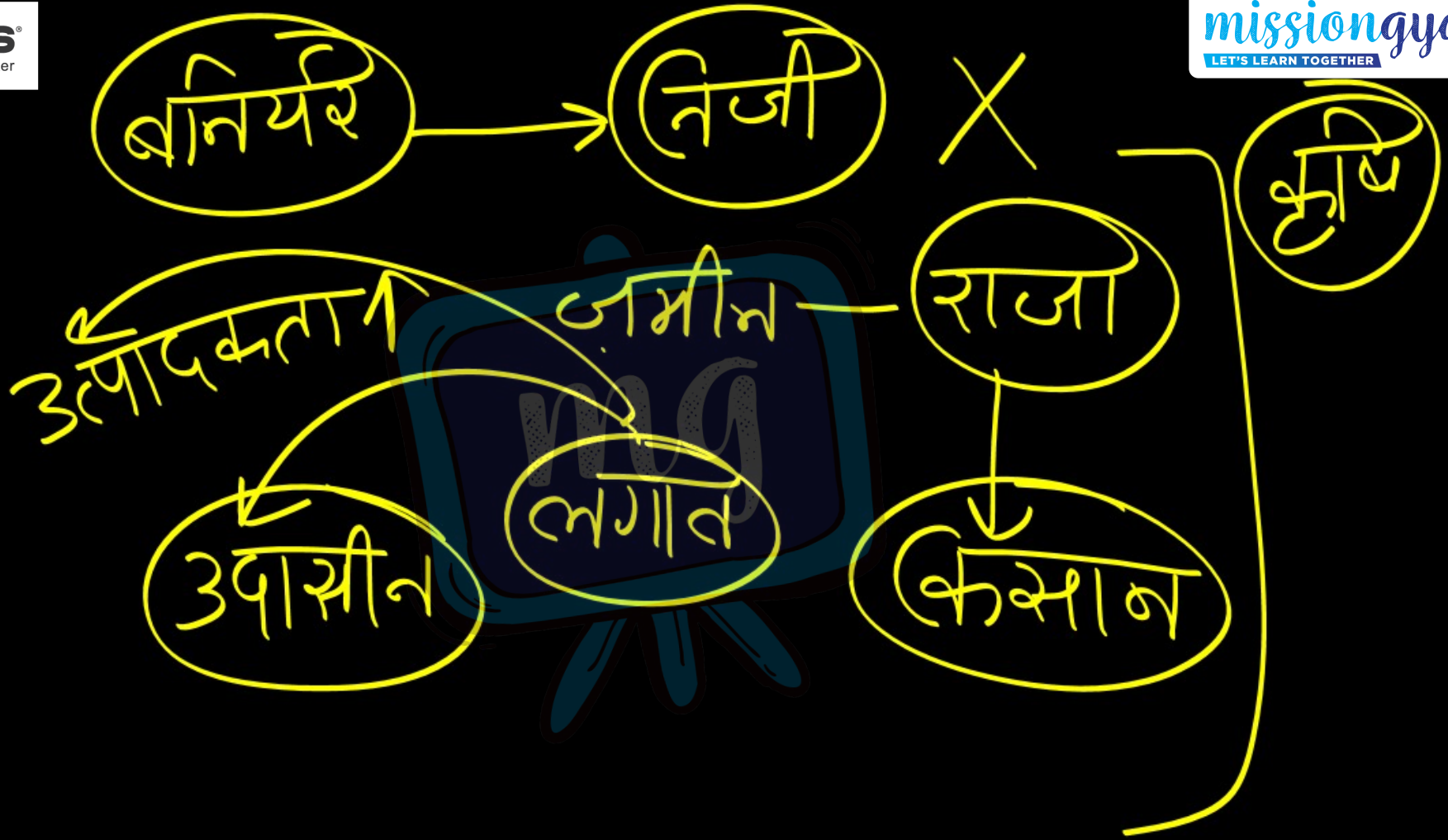

KOLORS
make life better

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

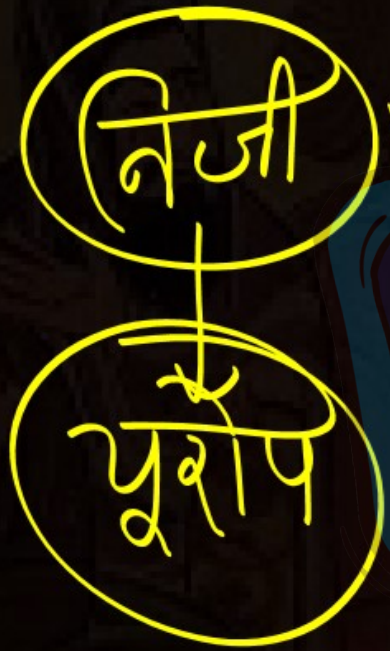


बर्नियर मुगल साम्राज्य के बारे में लिखता है कि–

- इनका राजा "भिखारियों व क्रूर लोगों" का राजा था।
- इनके शहर विनष्ट तथा खराब हवा से दूषित थे।
- खेत "झाड़ीदार" व "घातक दलदल" से भरे थे।
- इन सभी का एक मात्र कारण "राजकीय स्वामित्व" था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए



## ग़रीब किसान

यहाँ बर्नियर द्वारा ग्रामीण अंचल में कृषकों के विषय में दिए गए विवरण से एक उद्धरण दिया जा रहा है:

हिंदुस्तान के साम्राज्य के विशाल ग्रामीण अंचलों में से कई केवल रेतीली भूमियाँ या बंजर पर्वत ही हैं। यहाँ की खेती अच्छी नहीं है और इन इलाकों की आबादी भी कम है।

KOLORS
make life better

# यात्रियों के नजरिए

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

यहाँ तक कि कृषि योग्य भूमि का एक बड़ा हिस्सा भी श्रमिकों के अभाव में कृषि विहीन रह जाता है इनमें से कई श्रमिक गवर्नरों द्वारा किए गए बुरे व्यवहार के फलस्वरूप मर जाते हैं। गरीब लोग जब अपने लोभी स्वामियों की माँगों को पूरा करने में असमर्थ हो जाते हैं तो उन्हें न केवल जीवन-निर्वहन के साधनों से वंचित कर दिया जाता है, बल्कि उन्हें अपने बच्चों से भी हाथ धोना पड़ता है, जिन्हें दास बना कर ले जाया जाता है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए




इस प्रकार ऐसा होता है कि इस अत्यंत निरंकुशता से हताश हो किसान गाँव छोड़कर चले जाते हैं। इस उद्धरण में बर्नियर राज्य और समाज से संबंधित यूरोप में प्रचलित तत्कालीन विवादों में भाग ले रहा था, और उसका प्रयास था कि मुग़ल कालीन भारत से संबंधित उसका विवरण यूरोप में उन लोगों के लिए एक चेतावनी का कार्य करेगा जो निजी स्वामित्व की "अच्छाइयों" को स्वीकार नहीं करते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q. बर्नियर के अनुसार भारत में भू स्वामित्व की क्या स्थिति थी?



KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

मुगल राजा

आइन इ अकबरी

- एक भी मुगल दस्तावेज यह सूचित नहीं करता कि राज्य ही भूमि का मात्र स्वामी था।
- 16वीं शताब्दी में अकबर का सरकारी इतिहाकार अबुल-फजल भूमि राजस्व को "राजत्व का पारिश्रामिक" बताता है।
- यह राजा द्वारा अपनी प्रजा को सुरक्षा प्रदान करने के बदले की मांग लगती है, न कि "भूमि पर लगान"।

KOLORS
make life better

# यात्रियों के नजरिए

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

## यूरोप के लिए एक चेतावनी

यूरोप

बर्नियर चेतावनी देता है कि यदि यूरोपीय शासकों ने मुग़ल ढाँचे का अनुसरण किया तो :

उनके राज्य इस प्रकार अच्छी तरह से जुते और बसे हुए, इतनी अच्छी तरह से निर्मित, इतने समृद्ध, इतने सुशिष्ट तथा फलते-फूलते नहीं रह जाएँगे जैसा कि हम उन्हें देखते हैं। दूसरी दृष्टि से हमारे शासक अमीर और शक्तिशाली हैं और हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि उनकी और बेहतर और राजसी ढंग से सेवा हो।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए



वे जल्द ही रेगिस्तान तथा निर्जन स्थानों के, भिखारियों तथा क्रूर लोगों के राजा बनकर रह जाएँगे जैसे कि वे जिनके विषय में मैंने वर्णन किया है। (मुग़ल शासक) ... हम उन महान शहरों और नगरों को खराब हवा के कारण न रहने योग्य अवस्था में पाएँगे, तथा विनाश की स्थिति में, जिनके जीर्णोद्धार की किसी को चिंता नहीं है, व्यक्त टीले और झाड़ियों अथवा घातक दलदल से भरे हुए खेत, जैसा कि पहले ही बताया गया है।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए



## बर्नियर के विचारों का प्रभाव

- बर्नियर के विचारों से 18वीं शताब्दी में पश्चिमी विचारक भी प्रभावित हुए।
- फ्रांसीसी दार्शनिक मॉन्टेस्क्यू ने इसके वृत्तान्त का उपयोग "प्राच्य निरंकुशवाद" के सिद्धांत को विकसित करने में किया।
- इस सिद्धांत के अनुसार एशिया में शासक अपनी प्रजा पर निर्बाध प्रभुत्व का उपयोग करते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

- इससे प्रजा गरीबी में तथा दास बनकर रहती थी।
- इसके अनुसार भूमि पर राजा का स्वामित्व होता था।
- निजी सम्पत्ति अस्तित्व में नहीं थी।
- इस दृष्टिकोण से राजा और उसके अमीरों को छोड़कर अन्यों का जीवन यापन बहुत मुश्किल से हो पाता था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए

- 19वीं शताब्दी में कार्ल मार्क्स ने इन्हीं सिद्धांतों को आगे बढ़ाया।
- नाम दिया "एशियाई उत्पादक शैली के सिद्धांत"।
- तर्क दिया कि भारत तथा अन्य एशियाई देशों में उपनिवेशवाद से पूर्व अधिशेष का अधिग्रहण राज्य द्वारा होता था।

KOLORS
make life better

# यात्रियों के नजरिए

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

एक अधिक जटिल सामाजिक सच्चाई :-

- बर्नियर के वर्णन में मुगल राज्य को निरंकुश दिखाने का प्रयास किया है।
- उनका विवरण जटिल सामाजिक सच्चाई की ओर इशारा करता है, जैसे –

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

# यात्रियों के नजरिए



शिल्पकारों के बारे में वर्णन किया कि :-

- उनके पास अपने उत्पादों को अच्छा बनाने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं था।
- क्योंकि राज्य लाभ/मुनाफे का अधिग्रहण कर लेता था इसलिए शिल्पकारों से सम्बन्धित उत्पादन पतनोन्मुख था।
- साथ ही वह यह भी मानता है कि पूरे विश्व से बड़ी मात्रा में बहुमूल्य धातुएँ भारत में आती थी क्योंकि उत्पादों का सोने-चाँदी के बदले निर्यात होता था।

KOLORS
make life better

# यात्रियों के नजरिए

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार सम्बन्धित वर्णन में कहा है कि –

- व्यापारिक गतिविधियां सुदूर प्रदेशों तक फैली हुई थी।
- पूरे विश्व से बहुमूल्य धातुएं भारत आती थी।
- उत्पादों का निर्यात सोने-चांदी के बदले होता था।
- व्यापारिक समुदाय समृद्ध था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

